70 साल में 14 हजार फैक्टरियां, साढ़े नौ साल में 35 हजार : योगी

मेरठ में 2913 करोड़ की एल्युमीनियम बेवरेज कैन फैक्टरी का सीएम ने किया वर्चुअल शिलान्यास

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के करीब 70 वर्षों में यूपी में 14 हजार फैक्टरियां स्थापित हुई थीं, जबकि भाजपा सरकार के साढ़े नौ वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 35 हजार के पार पहुंच गई है। इस दौरान औसतन प्रतिवर्ष दो हजार फैक्टरी लगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमें से 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं और इनमें उत्पादन भी शुरू हो गया है।

सीएम बुधवार को अपने सरकारी आवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से मेरठ में 2913 करोड़ रुपये की औद्योगिक परियोजना के वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे विकसित हो रहे इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (आईएमएलसी) में अमेरिकी कंपनी बॉल कॉर्पोरेशन एल्युमीनियम बेवरेज कैन बनाने की विश्वस्तरीय फैक्टरी स्थापित करेगी। योगी ने कहा कि इस परियोजना से मेरठ में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के हजारों अवसर पैदा होंगे। स्थानीय एमएसएमई, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट और रीसाइक्लिंग उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। खेल के सामान के लिए प्रसिद्ध मेरठ अब एडवांस ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र भी बन रहा है।

7.5 लाख करोड़ की परियोजनाओं का होगा भूमि पूजन : सीएम ने कहा कि कभी बीमारू राज्य कहा जाने वाला यूपी अब देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश के 55 फीसदी मोबाइल और 60 फीसदी इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट प्रदेश में बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमें से 15 लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का भूमि पूजन हो चुका है। आगामी इन्वेस्टर समिट में 7.5 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का भूमि पूजन होगा। उन्होंने बताया कि तीन सेक्टोरल पॉलिसी, निवेश मित्र और सिंगल विंडो व्यवस्था के कारण डिरेगुलेशन 1.0 में यूपी को देश में पहला स्थान मिला है। सैमसंग, एलजी, डिक्सन, एचसीएल, फॉक्सकॉन, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, पेप्सिको और बॉल कॉर्पोरेशन जैसी कंपनियां वर्ष 2030 तक यूपी को दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान देंगी।



सीएम से मिले धीरेंद्र शास्त्री बोले- राजनीतिक बयानों का जवाब नहीं देता हूं

लखनऊ। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात कर उनकी मां के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। हालांकि, वार्ता के विषयों की आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। मीडिया से बातचीत में धीरेंद्र ने कहा कि उनका उद्देश्य शोक व्यक्त करना था। उन्होंने सीएम योगी की प्रशंसा करते हुए कहा कि धन्य हैं ऐसे सपूत, जो राम और राष्ट्र दोनों को साथ लेकर चल रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के आरोपों पर कहा कि वह राजनीतिक बयानों का जवाब देना उचित नहीं समझते। उनका काम केवल सनातन धर्म के लिए है। वहीं, स्वामी रामदेव के बयान पर कहा कि संतों की डांट और प्यार उनके लिए आशीर्वाद है। बता दें, धीरेंद्र शास्त्री 21 दिसंबर से लखनऊ में कथा करेंगे। इसके आयोजक सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह हैं। ब्यूरो

राहुल पर साधा निशाना

लखनऊ। एक मीडिया समूह को दिए साक्षात्कार में सीएम योगी ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उन्हें ऐसा रॉकेट बताया, जिसे लांच करने की कोशिश होती है, लेकिन वह हर बार विफल रहता है। अखिलेश यादव की घुसपैठियों संबंधी टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि वास्तविक घुसपैठिए सपा को अपने सगे-संबंधी नजर आते हैं। कहा कि मतदाता सूची में केवल पात्र भारतीय नागरिकों के नाम होने चाहिए। मृतकों और स्थान बदल चुके मतदाताओं के नाम हटने चाहिए। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में गुंडागर्दी, दंगे और अराजकता का माहौल था। व्यापारी भयभीत थे और निवेशक आने से कतराते थे। उस समय कट्टा-बम की फैक्ट्रियां चलती थीं, जबकि आज प्रदेश में रिवॉल्वर, राइफल और ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है। यूपी को 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। पहले दो एयरपोर्ट क्रियाशील थे, अब 17 संचालित हैं। उन्होंने बुलडोजर को प्रदेश की ताकत बताते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर कार्रवाई जारी रहेगी। ब्यूरो